हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

11 संत कॉलोनी की सड़कों पर फैला सीवर का पानी

12 डीसी ने की धीरूभाई अंबानी क्रिकेट टूर्नामेंट...

आसौदा में गर्ल्स स्कूल की शिफ्टिंग को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा जमकर की नारेबाजी

ग्रामीणों ने एसडीएम आफिस के बाहर किया प्रदर्शन

लड़कियों के स्कूल में पुन: कक्षाएं चालू करवाने की मांग

बहादुरगढ़। लघु सचिवालय परिसर में मौजूद आसौदा के ग्रामीण तथा झज्जर में ज्ञापन देने के दौरान एक महिला की तबीयत बिगड़ने पर संभालते हुए पुलिसकर्मी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव आसौदा में गर्ल्स स्कूल की शिफ्टिंग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन करते हुए मांग उठाई कि गर्ल्स स्कूल को जल्द से जल्द उसी भवन में दोबारा शुरू किया जाए, जहां वह पहले संचालित हो रहा था।

मांग पूरी न होने की स्थिति में ब्वॉयज स्कूल पर ताला लगाने की चेतावनी भी दी गई। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई। अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन भी एसडीएम आफिस में दिया गया। बिजेंद्र सिंह, मुकेश, निशा, हरपाल सहित अन्य ने कहा कि गर्ल्स स्कूल की इमारत जर्जर होने पर छात्राओं को अस्थाई रूप से ब्वॉयज स्कूल में स्थानांतरित किया गया था। बाद में गांव के लोगों ने चंदा एकत्र कर स्कूल भवन की मरम्मत करवा दी, लेकिन इसके बावजूद छात्राओं को वापस उसी भवन में शिफ्ट नहीं कर रहा है। वर्तमान में ब्वॉयज स्कूल में सुबह और शाम की दो शिफ्टों में कक्षाएं लग रही हैं, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है। साथ ही यह स्कूल गांव से दूर होने के कारण छात्राओं को आने-जाने में परेशानी हो रही है। इस मुद्दे को लेकर वे पहले भी शिक्षा विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिख चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने सवाल उठाया कि जब बेटियों को सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल में शिक्षा नहीं मिल पा रही, तो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा सिर्फ औपचारिकता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि 19 दिसंबर तक समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे 22 दिसंबर को बॉयज स्कूल में ताला लगाने जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।

छह दिन बाद भी लापता छात्रा का नहीं लगा सुराग काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

झज्जर। शहरी क्षेत्र से करीब छह दिन पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई नाबालिग छात्रा का कोई सुराग नहीं लग पाया है। जिसके कारण पीड़ित परिवार में रोष बना हुआ है। वीरवार को पीड़ित परिवार और उनके परिचितों ने शहर के राव तुलाराम चौक से लघुसचिवालय तक रोष प्रदर्शन किया। रोष प्रदर्शन में अधिकांश लोगों ने काली पट्टी बांध कर भी अपना विरोध जताया। बाद में उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए लापता हुई बेटी का जल्द से जल्द पता लगाने की बात कही। एसडीएम को दिए ज्ञापन में परिजनों ने पड़ौस में ही रहने वाले एक युवक पर आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस में मामला भी दर्ज करवाया गया है। लेकिन छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लग पाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने भी पीड़ित परिवार से बातचीत करते हुए जल्द से जल्द लापता बेटी का पता लगाने का आश्वासन दिया। इस दौरान संबंधित परिवार की एक महिला की तबीयत एकाएक खराब हो गई। जिसे परिजनों और पुलिस कर्मियों ने संभाला, बाद में महिला की हालत सामान्य हो पाई।

मनरेगा का नाम बदलने का किया विरोध

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनूपसिंह मातनहेल व सचिव जयकरण मांडौठी ने बताया कि संगठन केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा को विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक 2025 से बदलने का कड़ा विरोध करता है। दोनों ने सवाल उठाया कि योजना का नाम बदलने से क्या होगा? बेशक 100 दिन काम देने की गारंटी थी लेकिन इस सरकार ने औसत 40-50 दिन भी काम नहीं दिया। इस बिल के अनुसार मनरेगा और इसकी वैधानिक गारंटी को निरस्त करना और इसके स्थान पर केंद्र सरकार की ऐसी योजना लाना, जो ग्रामीण गरीब परिवारों को कोई गारंटी नहीं देती, राज्य सरकारों की भूमिका को नकारते हुए निर्णय लेने की प्रक्रिया में केंद्र सरकार को एकमात्र अधिकार देना तथा केंद्र सरकार की वित्तीय जिम्मेदारी (जो पहले 100 प्रतिशत थी) को घटाकर 60 प्रतिशत करना और इसका बोझ राज्य सरकारों पर 40 प्रतिशत तक स्थानांतरित करना सरासर अनुचित है। इनके अलावा जॉब कार्ड के युक्तिकरण की घोषणा से काम के अधिकार का हनन होता है, जो मजदूरों के हितों के लिए हानिकारक है। आज ग्रामीण गरीबों को जीवनयापन के लिए अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना समय की मांग और केंद्र सरकार का दायित्व है, लेकिन सरकार ठीक इसके विपरीत काम कर रही है। यह प्रस्तावित बिल ग्रामीण गरीबों के जीवनयापन के अधिकार पर हमला है।

फैक्ट्री के ही दो सिक्योरिटी गार्ड पर चोरी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- एक पर कैमरा बंद करने और दूसरे पर सामान पर हाथ साफ करने का आरोप

भापड़ोदा स्थित कंपनी में कोपर के आठ रोल चोरी हो गए। कंपनी में ही काम करने वाले दो सिक्योरिटी गार्ड पर सांठगांठ कर चोरी करने का आरोप है। आसौदा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के निवासी योगेश ओबराय का कहनपा है कि भापड़ोदा में उनकी एक फैक्ट्री है। इस फैक्टरी में हसनगढ़ का जसवंत और यूपी का सुशील बतौर सिक्योरिटी गार्ड काम करते हैं। कुछ समय पहले हमारी कंपनी से कोपर के आठ रोल चोरी हो गए थे। इसके बाद अपने स्तर पर जांच की। जांच के दौरान शक की सूई जसवंत व सुशील पर गई। इसके बाद उनसे पूछताछ की तो दोनों ने वारदात कुबूल कर ली। सामने आया कि 11 दिसंबर की रात को साढ़े दस से 11 बजे के बीच वारदात हुई। इस दौरान सुशील ने कैमरे बंद किए और जसवंत ने स्टोर से रोल निकाले। फिर अगली सुबह जसवंत माल लेकर वहां से चला गया। उधर, पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

तीन भाइयों पर दंपति से मारपीट का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव आसौदा में दीवार को लेकर कुणबे के दो पक्ष आमने सामने हो गए। आरोप है कि तीन भाइयों ने दंपति के साथ मारपीट की और ईंटों से प्रहार किए। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। आसौदा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में कमला ने कहा है कि 16 दिसंबर को वह और उसके पति घर पर थे। इन दिनों उसका देवर कुलदीप अपने मकान का निर्माण करवा रहा है। हमारी साझे की दीवार है। चिनाई करने के दौरान हमारी तरफ की दीवार उखाड़ दी गई। जब हमने इसे उखाड़ने से मना किया तो उसने मेरे व मेरे पति ईश्वर के साथ मारपीट शुरू कर दी। फिर कुलदीप के दो अन्य भाई भी झगड़े में शामिल हो गए। एक ने छत के ऊपर से ईंट फेंकनी शुरू कर दी। घर में घुसकर हम पर हमला किया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। उधर, पुलिस का कहना है कि मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा है। शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। जांच के बाद मामले में कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है।

खबर संक्षेप

झज्जर। विधानसभा में क्षेत्र के मुद्दे उठातीं विधायक गीता भुक्कल।

विधायक भुक्कल ने विस में उठाया मुद्दा

झज्जर। वीरवार को विधानसभा सत्र के पहले दिन स्थानीय विधायक एवं पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने क्षेत्र के स्कूल एवं कॉलेजों के जर्जर हालात भवनों का मुद्दा उठाया। उन्होंने राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू कॉलेज के हॉस्टल की खस्ता हाल भवन, मातनहेल कॉलेज की नए भवन की जर्जर हालत के साथ हलके के उन सरकारी स्कूलों के जर्जर हाल भवन का मामला उठाया जिनका सदन में कई बार जिक्र हो चुका है और संबंधित विभाग से दुरूस्त करने का आश्वासन भी मिला था, लेकिन कोई कार्यवाहीं अमल में नहीं लाई गई। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा आश्वासन दिया कि संज्ञान लिया जाएगा।

गांव लडरावण में पेड़ पर लटका मिला शव

बहादुरगढ़। गांव लडरावण में सड़क किनारे पेड़ पर एक युवक का शव लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। मृतक की पहचान करीब 24 वर्षीय मुन्ना के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह बिहार मूल का था और पिछले कुछ समय से यहां रह रहा था। किसी फैक्ट्री में काम करता था। वीरवार की सुबह उसका शव कुलासी रोड स्थित एक पेड़ पर लटका देखा गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। फंदा लगाने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

कल झज्जर आएंगे दुष्यंत चौटाला

बहादुरगढ़। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व जजपा प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा शनिवार 20 दिसम्बर को झज्जर स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। पार्षद संजय दलाल ने बताया कि जजपा के स्थापना दिवस पर जुलाना में हुई रैली के लिए कार्यकर्ताओं को बधाई देने के साथ ही संगठन की मजबूती पर भी विचार होगा।

सुबह ग्यारह बजे तक छाया रहा घना कोहरा, अलाव तापते दिखाई दिए लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

दो दिन की राहत के बाद मौसम में फिर से बदलाव आया। अलसुबह पड़ा कोहरा सुबह करीब ग्यारह बजे तक छाया रहा। आबादी वाले क्षेत्रों की अपेक्षा बाहरी क्षेत्रों में दृश्यता बीस मीटर तक रही। ऐसे में वाहन चालक लाइटें जलाकर रेंगते हुए नजर आए। सुबह से पड़ी ठंड के कारण लोगों की नि य मि त दिनचर्या भी प्रभावित हुई। कोहरा छंटने के बाद राहत मिल पाई। ठंड के कारण न्यूनतम तापमान में भी गिरावट आई है। जहां अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा वहीं न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चिकित्सकों द्वारा जहां बच्चों व बुजुर्गों को सुबह व शाम की सैर से परहेज करने की सलाह दी जा रही है वहीं कोहरे को गेहूं की फसल के लिए लाभदायक बताया जा रहा है। वीरवार को चली शीत लहर के चलते कुछ लोग अलाव तापते हुए भी दिखाई दिए।

- आबादी वाले क्षेत्रों की अपेक्षा बाहरी क्षेत्रों में दृश्यता बीस मीटर तक रही

झज्जर। लघु सचिवालय के नजदीक अलाव तापते हुए लोग। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। घने कोहरे के बीच स्कूल बस का इंतजार करते हुए स्कूली विद्यार्थी।

बाजारों में भी असर देखने को मिल रहा

धुंध ने रोकी वाहनों की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

क्षेत्र में पड़ी दिसंबर की दूसरी धुंध ने वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। वीरवार की सुबह सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। धुंध से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ काफी गई है। खासकर बड़े वाहन चालकों को दिक्कत आ रही है। धुंध व ठंड के बढ़ने से वाहनों की रफ्तार पर भी असर पड़ा है। इसके साथ-साथ जहां सड़कों से वाहनों की संख्या कम होती जा रही है, वहीं बाजारों में भी ठंड व धुंध का असर देखने को मिल रहा है।

सर्दी के मौसम में दूसरी बार पड़ी धुंध से एकाएक बढ़ी ठंड के कारण बच्चों को भी स्कूल जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। धुंध के कारण वीरवार को रेल यातायात भी प्रभावित रहा। चालक सुबह वाहनों की लाइटों का सहारा ले रहे थे। धुंध से राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले वाहन रेंगते नजर आए और इस कारण सुबह के समय ही यहां जाम की स्थिति बनी रही। ट्रेफिक इंजार्च सतीश कुमार ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा कि वे धुंध के मौसम में वाहनों की रफ्तार कम रखें और वाहनों की लाइटें चालू रखें, ताकि धुंध के कारण हो रहे हादसों पर रोक लग सके। धुंध गेहूं की फसल के लिए काफी लाभदायक है। जिन किसानों ने अगेती ही गेहूं की फसल की बिजाई की हुई है, उनके लिए यह धुंध लाभदायक है। खेतों में अब चारों ओर हरियाली नजर आने लगी है और सीधी बिजाई करने वाले किसानों की फसल भी पूरी तरह से दिखाई देनी लगी है। इस समय जहां सुबह व सायं के समय धुंध दिखाई देती हैं, वहीं दिन भर मौसम साफ रहने के कारण गेहूं की बढ़ोतरी होगी।

बहादुरगढ़। धुंध के बीच लाइट जलाकर गुजरते वाहन। फोटो: हरिभूमि

कॉमर्स ओलंपियाड में एचडी के छात्र मयंक ने पाया प्रथम स्थान

झज्जर। एचडी स्कूल साल्हावास के छात्र मयंक ने इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में ऑल इंडिया प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। ओलंपियाड विशेषज्ञ आशीष यादव ने बताया कि एसओएफ द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में 70 देशों के करोड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि ओलंपियाड में संस्थान के बारह विद्यार्थियों क्वालिफाई किया है जिनमें मयंक के अलावा कार्तिक, डिपंल, अंकिता, कोमल, दीक्षा, मुस्कान, अंशिका, मानवी, दीपक, हिमांशु व अंकुश शामिल है। विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया व प्राचार्य सतबीर सिंह ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यार्थियों की तैयारी कराने वाले शिक्षक आशीष यादव, प्रियंका जाखड़ व पिंकी शर्मा की भी सराहना की।

झज्जर। छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देते हुए प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

दुर्गा शक्ति टीम ने छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

छात्राओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दुर्गा शक्ति टीम द्वारा दीपचंद स्कूल में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दुर्गा शक्ति टीम सदस्यों ने छात्राओं को आत्मरक्षा के व्यावहारिक, सरल और प्रभावी तरीकों का प्रशिक्षण देते हुए छात्राओं को संकट की घड़ी में धैर्य बनाए रखने व परिस्थितियों को समझते हुए सही समय पर उचित कदम उठाने के लिए प्रेरित किया ताकि छात्राएं सकंट में अपना बचाव कर सकें।

ये रहे मौजद

इस मौके पर चेयरमैन युद्धवीर, डायरेक्टर जय विकास, मैनेजिंग डायरेक्टर हरीश, संदीप, अश्वनी, सुमित चावला आदि उपस्थित रहे।

बालौर रोड पर करीब दो करोड़ हुए थे खर्च, लेकिन अभी काम अधूरा

सर्दी में भी ठंडा पड़ा रैन बसेरे का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

एक बार फिर सर्दी शुरू हो गई है। रात में ठिठुरन भी बढ़ने लगी है। गरीब और बेसहारा लोगों को सर्द रातें भारी पड़ने लगी हैं। लेकिन नगर परिषद द्वारा बनाए जा रहे रैन बसेरे का काम अब भी ठंडा पड़ा है। शहर के बालौर रोड पर टाउन पार्क के साथ एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से बन रहा रैन बसेरा कई सालों से अधूरा पड़ा है। बता दें कि शहर में सैकड़ों लोग बेघर हैं, जो फुटपाथ, रेलवे स्टेशन या बस स्टेंड आदि पर खुले आसमान के नीचे अपनी रात गुजारने को मजबूर हैं। एक बार फिर ठंड शुरू हो गई है। ऐसे में इन जरूरतमंद लोगों को छत की जरूरत पड़ने लगी है। मगर शहर में तीन सालों से रैन बसेरे का निर्माण अधर में लटका है। इन दिनों रातभर रेलवे स्टेशन, बस अड्डा और लाल चौक के नजदीक लोगों को ठिठुरते हुए देखा जा सकता है। सरकारी लेटलतीफी ठंड में ठिठुरते गरीबों पर भारी पड़ रही है। हर साल नप द्वारा शहर में कई अस्थाई रैन बसेरे बनाकर औपचारिकता का निवर्हन किया जाता है। लेकिन ये अपेक्षा के अनुरूप उपयोगी सिद्ध नहीं हो रहे। दरअसल, नगर परिषद द्वारा पहले परनाला में जमीन चिह्नित की गई और करीब 2 करोड़ रुपये का टेंडर भी लगाया गया था। लेकिन फिर जमीन को लेकर ग्रामीणों के विवाद के चलते टेंडर रद कर दिया गया। इसके बाद नगर परिषद ने बादली रोड पर टाउन पार्क के साथ वाली जमीन को फाइनल किया। एक करोड़ 90 लाख रुपए का टेंडर लगाकर निर्माण भी शुरू किया। लेकिन पहले लॉकडाउन और फिर अधिकारियों की बेरुखी से इसका निर्माण अधूरा रह गया।

बहादुरगढ़। बादली रोड पर टाउन पार्क के निकट रुका पड़ा रैन बसेरे का निर्माण।

नशेड़ियों का अड्डा बना

भाजपा नेता जसबीर सैनी ने भी इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि साढे तीन साल से नगर परिषद ने इसकी सुध नहीं ली। अधूरा पड़ा रैन बसेरा नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है। लावारिस पशु यहां गंदगी फैला रहे हैं। इसका निर्माण पूरा करवाने के लिए वे मुख्यमंत्री के समक्ष मांग रखेंगे।

औपचारिकताएं पूरी

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल ने बताया कि पहले जो टेंडर लगाया गया था, वह अमाउंट यूटिलाइज हो गया था। अब फिनिशिंग का काम करवाने के लिए नए सिरे से एस्टीमेट बनाया गया है। टेंडर की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद काम पूरा करवा दिया जाएगा।

पंचायत समिति बहादुरगढ़ के चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बैठक 29 दिसंबर को

झज्जर। एडीसी जगनिवास ने बताया कि पंचायत समिति बहादुरगढ़ के चेयरमैन के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर विचार किए जाने को लेकर पंचायत समिति के सदन की बैठक आगामी 29 दिसम्बर को बहादुरगढ़ में होगी। यह बैठक हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 123 तथा हरियाणा पंचायती राज नियम, 1995 के नियम 10 के तहत आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति बहादुरगढ़ के 20 सदस्यों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पर बैठक बुलाने के लिए मांग पत्र प्रस्तुत किया गया है। इसके तहत सदन की बैठक 29 दिसंबर को सुबह 10 बजे, ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय बहादुरगढ़ के प्रथम तल स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की जाएगी, जिसमें चेयरमैन के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक के संबंध में सभी संबंधित सदस्यों व अधिकारियों को सूचना जारी कर दी गई है।

क्रिसमस का अवसर हो और रेड ड्रेस पहने, लंबी सफेद दाढ़ी वाले तुम सबके फेवरेट सांता क्लॉज का जिक्र ना आए, ऐसा कैसे हो सकता है! सांता क्लॉज, दूसरों के साथ प्यार-खुशी बांटने का संदेश देते हैं। इसके अलावा और भी बहुत-सी अच्छी बातें हैं, जो तुम अपने प्यारे सांता से सीख सकते हो, खुद भी किसी के सांता बन सकते हो।

प्यारे सांता क्लॉज से सीखो ये अच्छी-प्यारी बातें

फेस्टिव मैसेज

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, क्रिसमस पर तुमको सबसे ज्यादा बेसब्री से इंतजार रहता है, ढेरों गिफ्ट बांटने वाले क्यूट से सांता क्लॉज का, है न! दुनिया भर के बच्चों के फेवरेट सांता, न केवल सब पर प्यार बरसाते हैं, सबकी मदद भी करते हैं। इसीलिए सबका प्यार पाते भी हैं। सबको गिफ्ट के रूप में खुशियां बांटने वाले सांता, बहुत गुणी भी हैं। उनकी कई गतिविधियां और गुण बहुत प्रेरणादायी हैं। अगर तुम ध्यान दो तो इनसे बहुत सी अच्छी-अच्छी बातें और बर्ताव सीख सकते हो। हंसी-खुशी क्रिसमस का पर्व मनाते हुए सांता क्लॉज की इन बातों के बारे में तुमको जरूर जानना चाहिए।

सबकी मदद के लिए तत्पर

सांता का मन बहुत उदार है। वे खुले दिल से सबकी मदद करते हैं। सांता जब खुशियां बांटने निकलते हैं तो कोई ऊंच-नीच नहीं देखते। बिना किसी भेदभाव के उपहार बांटकर उनका मन आनंदित होता है। इससे पता चलता है कि सांता दयालुता और दूसरों की भलाई को बहुत अहम मानते हैं। खासकर बच्चे तो उन्हें बहुत प्रिय हैं। तभी तो क्रिसमस पर सांता हर बच्चे के लिए गिफ्ट छोड़ जाते हैं। तुम सबकी जरूरतों और इच्छाओं को समझते हैं। उनके व्यवहार के इस सुंदर पहलू से तुम भी नेकी की राह पर चलना सीख सकते हो। अपने आस-पास के लोगों की छोटी-छोटी इच्छाओं को समझकर उनके मददगार बन सकते हो।

कायम रखो भरोसा

सांता क्लॉज, किसी का भरोसा ना तोड़ने और उम्मीदों पर खरे उतरने की बहुत प्यारी-सी बात भी सिखाते हैं। साथ ही यह भी समझाते हैं कि हमें खुद भी हर परिस्थिति में आशावान रहना चाहिए। सांता, बच्चों के विश्वास पर खरा उतरने के लिए उन तक पहुंचने का हर संभव प्रयास करते हैं। बच्चों की चाहत वाले पत्र (विश लेटर) पढ़ते हैं। प्रार्थनाएं सुनकर उन्हें पूरा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वे बदले में किसी से कोई उम्मीद नहीं रखते। वे किसी का भरोसा नहीं तोड़ते हैं। बच्चो, घर के बड़े हों या टीचर्स, तुम्हारे लिए उनके मन में भी बहुत भरोसा होता है। अच्छी बातें सीखने का भरोसा, गलत रास्ते पर न चलने का भरोसा। बुरी भाषा और बर्ताव से बचने का भरोसा। तुम्हें उनके विश्वास को कभी नहीं तोड़ना चाहिए। बड़े होने पर यही अच्छी और सच्ची बातें तुम्हारे व्यक्तित्व को भी बहुत प्यारा और प्रभावी बना देंगी।

सबके प्रति समानता का भाव

बच्चो, सहायता के भाव के साथ समानता की सोच भी जरूरी है। यह बात भी सांता से सीखी जा सकती है। सांता अपनी पोटली में हर देश, हर वर्ग के बच्चों के लिए उपहार लेकर निकलते हैं। हर कल्चर और हर बैकग्राउंड के बच्चों को त्योहार की सौगात देते हैं। असल में सबकी भलाई का भाव लिए सांता का व्यवहार हर तरह से अच्छा बनने की ही प्रेरणा देता है। इसीलिए सांता क्लॉज से दया, ईमानदारी और मानवीय भावों को समझने की प्यारी सीख जरूर लेनी चाहिए।

अनुशासन और समर्पण

सांता क्लॉज अनुशासन की भी सीख देते हैं। साथ ही अपने काम को लेकर उनका समर्पण भी कमाल का है। दुनिया भर के बच्चों तक उपहार पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाने वाले सांता, हमें यह भी समझाते हैं कि किसी भी काम को करने का मन बना लिया जाए तो कुछ भी मुश्किल नहीं। कहा जाता है कि सांता पूरे साल बच्चों के लिए खिलौने बनाते हैं। क्रिसमस की रात उन्हें दुनिया के हर कोने में रहने वाले प्यारे बच्चों तक पहुंचाते हैं। क्रिसमस पर कई देशों में कड़ाके की ठंड पड़ती है। कहीं बर्फीले तूफान चलते हैं। बावजूद इसके सांता अपने काम को पूरा करते हैं, पूरी लगन से अपनी यह जिम्मेदारी निभाते हैं। जिस तरह से सांता अनुशासित होकर समर्पण से अपना काम सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, उसी तरह अच्छे से पढ़ाई करने की बात हो या अपनी पसंद के किसी खेल में माहिर होना हो। आलस्य पर जीत हासिल करना हो या अपनी हेल्थ का खयाल रखना हो। बच्चो, समर्पण और अनुशासन से सब कुछ किया जा सकता है। यह कभी न भूलो कि किसी लक्ष्य को पाने के लिए टाइम मैनेजमेंट, डिसिप्लीन और डेडिकेशन सबसे जरूरी होता है। यह खुद को ही नहीं अपने मम्मी-पापा, टीचर्स और फ्रेंड्स सभी को खुशी देने वाला गुण है।

अपना ध्यान रखने की प्रेरणा

दूसरों को खुशियां बांटने की सीख के साथ-साथ खुद अपनी देखभाल की समझ भी प्यारे सांता हमें देते है। दुनिया भर में गिफ्ट की डिलिवरी करते सांता, व्यस्तता में भी ब्रेक लेना नहीं भूलते। क्रिसमस पर जो तुम सांता के लिए दूध का गिलास और कुकीज घर के बाहर रखते हो, उन्हें खाने-पीने के लिए वे थोड़ा रुकते हैं, सुस्ताते हैं। यानी अपना खयाल भी रखते हैं सांता।

बच्चो, क्रिसमस पर सांता, खुशियों का संदेश बांटते हुए ही घूमते हैं। तुम उनसे हमेशा खुश रहने और खुशियां बांटने का पाठ सीख सकते हो। *

सेलिब्रेशन / पुष्पेश कुमार पुष्प

क्रिसमस से जुड़ी कुछ रोचक परंपराएं

इन दिनों पूरी दुनिया में क्रिसमस मनाने की तैयारी हो रही है। क्या तुमको पता है कि इस फेस्टिवल को कुछ देशों में बहुत अलग-रोचक तरीके से मनाया जाता है? इनमें से कुछ रोचक परंपराओं के बारे में तुम्हें यहां बता रहे हैं।

बच्चो, क्रिसमस का त्योहार पूरी दुनिया में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। कई देशों में क्रिसमस के साथ रोचक परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं। विभिन्न देशों में क्रिसमस मनाने का अपना अलग-अलग तौर-तरीका भी है।

सड़कों को सजाते हैं: पश्चिमी देशों में क्रिसमस के अवसर पर चर्च और इसके आस-पास की सड़कों को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। जगह-जगह तोरण द्वार बनाए जाते हैं एवं इन द्वारों के ऊपर क्रिसमस ट्री की डालियां सजाई जाती हैं। 'मैरी क्रिसमस' लिखे बैनर और होर्डिंग्स भी इन तोरण द्वारों पर लगाए जाते हैं।

लगाते हैं देव प्रतिमा: इंग्लैंड में क्रिसमस के अवसर पर क्रिसमस ट्री के पास देव प्रतिमा लगाने की परंपरा है। इस परंपरा की शुरुआत 19वीं सदी के मध्य में इंग्लैंड के तत्कालीन राजकुमार एल्बर्ट ने की थी। क्रिसमस वृक्ष पर देव प्रतिमा लगाने की परंपरा को बाद में कई देशों ने भी अपना लिया।

आतिशबाजी और झांकियां: क्रिसमस पर आतिशबाजी करने की परंपरा की शुरुआत सर्वप्रथम फ्रांस में हुई। बाद में क्रिसमस के मौके पर आतिशबाजी करने की इस परंपरा को अधिकतर देशों ने अपना लिया। अन्य देशों की तरह फ्रांस के निवासी भी मध्यरात्रि में चर्च में प्रार्थना करते हैं और सुबह संत निकोलस की प्रतिमा की झांकी निकालते हैं।

पुडिंग बनाते-खाते हैं: पुराने समय में क्रिसमस के अवसर पर आलू बुखारे से व्यंजन बनाए जाते थे। बाद में इस व्यंजन के तर्ज पर ही पुडिंग बनाने की परंपरा की शुरुआत हुई। अब लगभग सभी देशों में क्रिसमस के मौके पर पुडिंग बनाए जाते हैं।

लगाते हैं क्रिसमस ट्री

नीदरलैंड में क्रिसमस के मौके पर क्रिसमस ट्री लगाने की परंपरा है। साथ ही यहां के छोटे-छोटे बच्चे अपने

हाथों में रंग-बिरंगे फूलों का गुलदस्ता और स्मॉल क्रिसमस ट्री लेकर चर्च जाते हैं। वहां ये फादर यानी चर्च के पादरी को गिफ्ट करते हैं और क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हैं।

बच्चे-बड़े करते हैं एंज्वॉय: ऑस्ट्रेलिया के लोग क्रिसमस के मौके पर समुद्र के किनारे जाते हैं और वहां बालू से खेलते हैं, एंज्वॉय करते हैं। मैक्सिको में क्रिसमस के अवसर पर बच्चों की आंखों पर पट्टियां बांध दी जाती हैं और फिर उन्हें मिट्टी के बर्तन तोड़ने के लिए कहा जाता है, जो उनसे कुछ दूर रखे होते हैं। इन बर्तनों में मिठाइयां या कुकीज भरी होती हैं। बर्तन टूटने के बाद ये मिठाइयां बच्चों में बांट दी जाती हैं। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

हिंदी में पढ़ो जापानी कहानियां

प्यारे बच्चो, इस बार हम तुम्हें जापानी भाषा में लिखी गई पांच कहानियों की एक किताब के बारे में बता रहे हैं, जिसका हिंदी अनुवाद अभी छपकर आया है। इस किताब का शीर्षक 'अचरज ग्रह की दंतकथा' है। इसके लेखक हैं ताजिमा शिंजी। बच्चो, जब हम दूसरे देशों में लिखी गई कहानियों को पढ़ते हैं तो अलग भौगोलिक तथा सामाजिक परिस्थितियों से परिचित होते हैं। हमारी कल्पना शक्ति को और विस्तार मिलता है। यहां भी बिलकुल ऐसा ही है। बड़ी निराली कहानियां हैं पांचों। पहली कहानी, एक लोमड़ी के आदमी बनकर पछताने की रोचक कहानी है। दूसरी कहानी, आकाशगंगा के एक छोटे से ग्रह के लोगों के हमारी पृथ्वी के प्रति आकर्षण और हमसे उनकी उम्मीद की कहानी है। बाकी तीन कहानियां भी तुम्हें अलग-अलग दुनिया में ले जाएंगी। ये कहानियां हम सभी से अच्छा इंसान बनने की उम्मीद करती हैं। ये सभी कहानियां तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताब: अचरज ग्रह की दंतकथा (जापानी कहानियां), **लेखक:** ताजिमा शिंजी, **हिंदी अनुवाद:** हरीश नारंग, **मूल्य:** 75 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

बूझो तो जानें

1. आधी रात को घर में आता
उपहारों का थैला लाता
बच्चों के तकिए के नीचे
चुपके से उनको सरकाता

2. पेड़ सजाते पेस्ट्री खाते
सब मिल-जुलकर कर कैरल गाते
झूम-झूमकर नाच-नाचकर
जन्मदिवस एक खास मनाते

3. चीड़ कहो या देवदार
यह पेड़ है सदाबहार
इस पर हम उपहार सजा कर
खूब मनाते हैं त्योहार

\- आशा शर्मा

उत्तर : 1.सांता क्लॉज, 2.क्रिसमस, 3.क्रिसमस ट्री

जीके क्विज-184

1. हाल ही में किस भारतीय त्योहार को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है?
2. टेस्ट, ओडीआई और टी-20 क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी कौन बने हैं?
3. भारत रत्न से सम्मानित पहले विदेशी नागरिक कौन थे?
4. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत के किस राज्य में स्थित है?
5. भारत का अंतिम वायसराय कौन था?
6. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?
7. उज्जैन किस नदी के किनारे बसा है?
8. वर्ष का सबसे छोटा दिन और सबसे बड़ी रात किस तारीख को होती है?
9. हाल ही में किस भारतीय महिला रेसलर ने संन्यास से वापसी की घोषणा की है?
10. मूर्ति देवी पुरस्कार किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है?

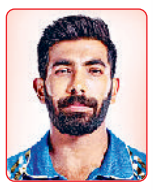

बच्चो, जीके क्विज-184 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-183 का उत्तर : 1.गुजरात, 2.मंगूभाई छगनभाई पटेल, 3.फॉर्मिक एसिड, 4.शतरंज, 5.इंडोनेशिया, 6.पेरिस, 7.मौलाना अबुल कलाम आजाद, 8.एडोल्फ हिटलर, 9.पेडोलॉजी, 10.नाइट्रोजन

जीके क्विज-183 का सही उत्तर देने वाले : चेतन-बालोद, देवेश-रायपुर, हर्ष-बिलासपुर, अंचित-दुर्ग, कन्हैया-महासमुंद, प्रवीण-रोहतक, हर्षिता-बलौदा बाजार, केशव-भोपाल, कनिष्क-धमतरी, प्रियांशु-हिसार, लक्ष्य-मटियारी

कहानी

हरीश कुमार 'अमित'

क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए पीटर ने खूब सारी शॉपिंग की प्लानिंग की थी। लेकिन शॉपिंग के लिए जब वह अपने दोस्त माइकल और उसकी मम्मी के साथ मार्केट जा रहा था तो उसने कुछ सोचकर अपनी प्लानिंग ही बदल दी। ऐसा क्या हुआ कि पीटर की शॉपिंग प्लानिंग बदल गई।

क्रिसमस की खुशियां

एआई इमेज

शाम को अपने दोस्तों के साथ खेलकर पीटर कुछ जल्दी घर लौट रहा था। वह बड़ा उत्साहित था क्योंकि अगले दिन क्रिसमस था। इसीलिए आज उसे अपनी मम्मी के साथ क्रिसमस की खरीदारी करने बाजार जाना था। अपने घर पहुंचकर उसने बेल बजाई, लेकिन मम्मी को दरवाजा खोलने में थोड़ी देर लग गई।

'मम्मी, क्या हुआ दरवाजा खोलने में बहुत देर कर दी आपने?' कमरे में प्रवेश करते हुए पीटर ने पूछा।

'बेटा, मुझे अचानक बहुत तेज बुखार हो गया है, इसलिए बिस्तर से उठकर दरवाजे तक आने में थोड़ी देर हो गई।' मम्मी ने जवाब दिया।

'मम्मी, अब आप जल्दी से तैयार हो जाओ। हमें मार्केट जाना है न, क्रिसमस की शॉपिंग के लिए।' पीटर अपनी ही धुन में बोला, जैसे उसने मम्मी की बात सुनी ही न हो। उसे बाजार जाने की जल्दी जो थी।

'बेटा, अभी बताया न! मेरी तबीयत खराब है। मुझसे उठा भी नहीं जा रहा। मैं तो तुम्हारे साथ मार्केट जा नहीं पाऊंगी।' मम्मी ने दरवाजा बंद कर, अंदर आते हुए कहा।

मम्मी की बात सुनकर पीटर मायूस होकर बोला, 'मम्मी, तो फिर क्रिसमस की शॉपिंग कैसे हो पाएगी? पापा भी इस बार छुट्टी लेकर घर नहीं आ पाए!'

पीटर के पापा सेना में हैं। इन दिनों उनकी पोस्टिंग घर से बहुत दूर देश के सीमावर्ती राज्य में है। क्रिसमस के त्योहार पर उन्हें एक सप्ताह की छुट्टी लेकर घर आना था, मगर किसी इमरजेंसी ड्यूटी की वजह से उन्हें छुट्टी नहीं मिल पाई और वे घर नहीं आ सके थे। पीटर को उदास देखकर मम्मी बोलीं, 'बेटा, तुम चिंता मत करो। मैंने पड़ोस में रहने वाले माइकल की मम्मी से बात कर ली है। वे माइकल को लेकर कुछ ही देर में क्रिसमस की शॉपिंग के लिए मार्केट जाएंगी। मार्केट जाते हुए वे हमारे घर आ जाएंगी और तुम्हें भी अपने साथ ले जाएंगी। तुम्हें जो-जो खरीदना हो, वे खरीदवा देंगी। तुम्हारा सामान खरीदने के लिए मैं उन्हें पैसे दे दूंगी। अब तुम उनके साथ मार्केट जाने के लिए फटाफट तैयार हो जाओ। मैं दवाई खाकर थोड़ा रेस्ट करूंगी।'

पीटर बाजार जाने के लिए तैयार होने लगा। थोड़ी देर बाद माइकल और उसकी मम्मी आ गए। पीटर उनके साथ बाजार चला गया।

बाजार जाते हुए रास्ते में पीटर ने माइकल से कहा, 'मैं तो बड़ा-सा क्रिसमस ट्री लूंगा और उसको सजाने के लिए बहुत सी मोतियों की लड़ियां, रिबन, स्टार्स और मोमबत्तियां भी खरीदूंगा! बड़ा वाला केक और ढेर सारी चॉकलेट भी लूंगा!'

'ये सब चीजें तुम अपने लिए ही लोगे क्या?' पीटर की बात सुनकर माइकल ने पूछा। 'हां, अपने लिए ही तो लेना है यह सब। क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए।' पीटर ने उत्साहित होकर बताया।

'वो तो ठीक है, लेकिन क्रिसमस पर दूसरों की मदद करने के लिए तुम क्या करोगे?' माइकल ने उससे सवाल किया।

'मदद.. मदद किसकी? क्रिसमस तो हमें खुद ही मनाना है न! इसमें दूसरों की मदद क्या करनी है?' पीटर ने हैरानी से पूछा।

'देखो पीटर, हम तो क्रिसमस पर अपने लिए थोड़ा कम सामान खरीदते हैं ताकि गरीब लोगों के लिए गर्म मोजे, चॉकलेट वगैरह भी खरीद सकें। क्रिसमस वाले दिन चर्च के बाहर और आस-पास झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब लोगों में हम वो चीजें बांट देते हैं।' माइकल ने बताया।

'हां बेटा, क्रिसमस पर गरीब लोगों को दान इसलिए दिया जाता है ताकि वे भी हंसी-खुशी यह त्योहार मना सकें।' माइकल की मम्मी ने पीटर को समझाते हुए कहा।

माइकल और उसकी मम्मी की बातें सुनकर पीटर सोच में पड़ गया। उसने तो मम्मी से जिद करके माइकल की मम्मी को ज्यादा पैसे दिलवाए थे ताकि वे उसे खूब सारी खरीदारी करवा सकें। लेकिन उसे माइकल और उसकी मम्मी की बातें सही लग रही थीं।

कुछ देर बाद वे लोग बाजार पहुंचे और उन्होंने क्रिसमस की खरीदारी शुरू की। पीटर ने बड़े के बजाय एक छोटा क्रिसमस ट्री लिया। ट्री की सजावट के लिए सामान लिया लेकिन थोड़ा कम। केक भी कुछ छोटा लिया ओर चॉकलेट भी थोड़ी कम खरीदी। इससे बचे पैसों से उसने कुछ गर्म मोजे, टॉफियां, छोटे केक और बिस्कुट के पैकेट खरीदे। ये सब खरीदते हुए वह सोच रहा था कि इन्हें वह अगले दिन गरीब बच्चों में बांट देगा। सारी खरीदारी करके पीटर जब घर पहुंचा तो वह बहुत खुश था। उसे लग रहा था कि इस बार के क्रिसमस की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

सांता क्लॉज

कलंगी वाली टोपी सिर पर,
कौन अरे, यह सांता क्लॉज!
जिंगल बेल लेकर हाथों में,
मेरे घर पर आए आज।
भरा गिफ्ट से थैला भारी,
मद्धिम-मद्धिम इनकी चाल।
चले बांटने खुशियां सबको,
वेट कराते पूरे साल।
नरम रुई-सी उजली दाढ़ी,
नाक गुलाबी, फूले गाल।
गोल-गोल आंखें सांता की
गोल नाक भी बड़ी कमाल।
सो जाते जब हम सब बच्चे,
मोजे में तोहफे दें डाल।
छू-मंतर हो जाते, कहकर,
'फिर आऊंगा अगले साल!'

अंतर बताओ

बच्चो, यहां सांता क्लॉज के एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। वैसे तो ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट आठ अंतर खोजो।

एक अलग चित्र को ढूंढो

बच्चो, यहां दिए गए चित्रों में एक को छोड़कर बाकी सभी सांता क्लॉज, पेयर यानी जोड़े में हैं। एक चित्र ऐसा है, जिसका सेम पेयर नहीं है। तुम्हें उस अकेले सांता के चित्र को खोजकर उसके चारों ओर पेन या पेंसिल से सर्कल बनाना है।

खबर संक्षेप

प्रशिक्षणार्थियों को दी योजनाओं की जानकारी

झज्जर। पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे कंप्यूटर अकाउंटिंग प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को महिला विकास निगम की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में महिला विकास निगम प्रभारी राज कुमार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निगम द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार ऋण योजना, ब्याज अनुदान, प्रशिक्षण एवं सहायता कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक उमेश भूकर ने निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम है। इस मौके पर संस्थान से सतपाल सिंह, आशीष शर्मा, कुसुम, अंशी भटनागर, शशि कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनि. के ब्रांच प्रधान बने सुनील

झज्जर। प्रदेश कमेटी के आह्वान पर वीरवार को हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की ब्रांच कमेटी का चुनाव कराया गया। चुनाव पर्यवेक्षक दलबीर सैनी की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से हुए चुनावों में सुनील कुमार को प्रधान, बिजेंद्र कुमार को सचिव, प्रवीण को कोषाध्यक्ष, सतपाल को उपप्रधान, नीरजमणी को वरिष्ठ उपप्रधान, श्रीभगवान को उप कोषाध्यक्ष, धर्मेंद्र कुमार को सह सचिव, नरेश व सुरजीत को कार्यालय सचिव, राजकुमार पटवारी प्रचार सचिव, प्रमोद कुमार को प्रेस सचिव, राजेश कुमार को ऑडिटर व विजय को सलाहकार बनाया गया। इस मौके पर जयवीर सहरावत, प्रदेश सह सचिव सतवीर सिंह, प्रदेश ऑडिटर भौमराज दूबे आदि ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपयनीयता की शपथ दिलाई।

डीसी ने किया अंत्योदय सरल केंद्र का निरीक्षण

झज्जर। वीरवार को डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लघु सचिवालय स्थित अंत्योदय सरल केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरल केंद्र में आने वाले आमजन को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं सुविधा स्तर की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अंत्योदय सरल केंद्र पर आने वाले प्रत्येक नागरिक को बिना किसी परेशानी के, निर्धारित समय सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संत कॉलोनी की सड़कों पर फैला सीवर का पानी

विभागीय अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका, लेकिन समस्या जस की तस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गंदे पानी के कारण गलियां हो रही हैं कंडम, दूषित पानी से निवासियों का स्वास्थ्य भी हो रहा खराब

शहर की संत कॉलोनी में सीवर से निकलने वाले गंदे पानी के कारण जहां गलियां कंडम हो रही हैं, वहीं दूषित पानी से स्थानीय निवासियों का स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है। कुछ स्थानों पर तो लगातार पानी जमा रहने से रास्ता बंद सा ही रहता है।

विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण संत कॉलोनी का जनजीवन लायक नहीं रहा। मेन गलियों में ठप सीवर समस्या के कारण गंदे पानी से सड़कों पर बदहाली फैली हुई है। सीवर जाम रहने के कारण सीवरों से निकलने वाला गंदा पानी गलियों में घरों के बाहर जमा होने से स्थानीय निवासियों के साथ राहगीरों को हर रोज परेशानियों से दो चार होना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी राहुल बत्रा, तरुण, संदीप व सुधीर आदि ने बताया कि यहां महीनों से सीवरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। गंदे पानी के कारण लोगों के बीमार होने का खतरा बढ़ गया है। गंदे पानी से जहां पैदल राहगीर गुजर नहीं पा रहे हैं, वहीं स्थानीय निवासी भी घर से निकलने में परहेज करते हैं। सीमेंटेड सड़कें भी जहां गंदगी से भरी रहती हैं, वहीं पानी जमा रहने के कारण लगातार टूट भी रही हैं। कई गलियां सीवर से निकले पानी से भरी रहने के कारण लगभग बंद सी हो गई हैं।

अनेक बार संबंधित अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन समस्या जस की तस है। जिस कारण सड़क पर हमेशा सीवर का गंदा पानी फैला रहता है।

पीएम को श्रमिक कानूनों पर भेजा ज्ञापन

- 300 मजदूरों को बिना सरकार के संज्ञान में लाए हटाया जा सकेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। ज्ञापन सौंपने गुरुग्राम गए सुमित छिकारा व अन्य।

असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सूबे सिंह व महिला जिला अध्यक्ष बिमला सैन के साथ हरियाणा प्रदेश सचिव सुमित छिकारा ने गुरुग्राम के डिप्टी लेबर कमिश्नर के माध्यम से प्रधानमंत्री को 4 श्रमिक कानूनों की खामियां बताते हुए ज्ञापन भेजा।

उनका आरोप है कि इन कानूनों के द्वारा श्रमिकों के अधिकारों का हनन होगा। अब 300 मजदूरों को बिना सरकार के संज्ञान में लाए हटाया जा सकेगा। इससे मालिक मजदूरों से खराब बर्ताव करेंगे और मजदूरों की कोई सुनवाई भी नहीं होगी। मजदूर यूनियन बनाए जाना ओर भी कठिन कर दिया है, ताकी मजदूर मिलकर कोई आवाज न उठा सकें। मजदूरों को धरने ओर प्रदर्शन करने का अधिकार भी इस्तेमाल करना असंभव सा कर दिया है। स्थाई मजदूरों के रखने की बाध्यता भी खत्म कर दी है। मजदूरों की काम के दौरान कार्य कुशलता के लिए प्रावधान भी जरूरी नहीं रहे। इसी तरह गिग वर्कर्स, कंस्ट्रक्शन वर्कर्स और असंगठित कामगारों के लिए चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री से श्रमिकों के हकों की रक्षा के लिए गुहार लगाई है।

किशनी देवी के निधन पर जताया शोक

बहादुरगढ़। शिक्षाविद एवं समाजसेवी मास्टर सुशील बराही, सेवानिवृत्त प्राचार्य रमेश छिल्लर तथा रविंद्र छिल्लर की 85 वर्षीय माता किशनी देवी के निधन पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं प्रकट कीं। उनका स्वर्गवास 12 दिसंबर को हुआ था। उनकी तेरहवीं रविवार 21 दिसंबर को सेक्टर-6 स्थित उनके निवास पर होगी। विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादयान, पूर्व विधायक नरेश कौशिक, राजेंद्र जून, दिनेश कौशिक, राजपाल आर्य, लोवा सतरह के प्रधान अशोक मान, चेयरपर्सन सरोज राठी, कर्मबीर राठी, ठेकेदार रणबीर जून, आजाद राठी आदि ने उनके निधन पर शोक जताया।

किशनी देवी

संकीर्तन में मधुर भजनों पर झूमे श्रद्धालु

बहादुरगढ़। लाइनपार क्षेत्र के 22 फुटा रोड पर श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ यह महोत्सव शुरू हुआ। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दरबार में पूजा अर्चना की। नरेंद्र शर्मा व उनके परिवार के सदस्यों ने भजन गायकों तथा श्रद्धालुओं का यहां पहुंचने पर पटका पहनाकर सम्मान किया। श्री श्याम कृपा परिवार लाइनपार बहादुरगढ़ की ओर से भजनों की अमृत वर्षा की गई। श्रेया कौशिक, रवि मेहरा, मोहन शर्मा, रवि पांचाल, डिम्पीराम समेत कई गायकों ने मधुर भजन प्रस्तुत किए। श्याम बाबा का दरबार, अलौकिक श्रृंगार, अखंड ज्योति, छप्पन भोग, श्याम रसोई आकर्षण का केंद्र रहे। समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। वरुण शर्मा, चंद्रमोहन शर्मा ने बताया कि भंडारे में आसपास क्षेत्र से आए लोगों ने भी प्रसाद ग्रहण किया।

बुजुर्ग पेंशनधारकों से की वादाखिलाफी

- नवंबर माह में पेंशनधारकों को 3 हजार रुपये ही पेंशन दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेश जून।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेश जून के अनुसार प्रदेश सरकार पर बुजुर्ग पेंशनधारकों के साथ खुली वादा-खिलाफी कर रही है। नरेश जून ने कहा कि सीएम नायब सैनी ने पिछले दिनों 1 नवंबर से बुजुर्गों को 3200 रुपये पेंशन देने की घोषणा की थी। लेकिन नवंबर माह में पेंशनधारकों को पहले की भांति 3 हजार रुपये ही पेंशन दी गई।

कांग्रेस नेता नरेश जून ने कहा कि भाजपा सरकार की घोषणाएं केवल जुमले हैं और जमीन पर उनका कोई अस्तित्व नहीं है। जब प्रदेश का मुख्यमंत्री ही जनता से झूठे वादे करता है, तो सरकार से उम्मीद क्या करें। भाजपा की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का फर्क है। सरकारी मंचों से प्रतिदिन बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन उन्हें लागू करने की नीयत और इच्छाशक्ति सरकार में नजर नहीं आती। नरेश जून ने कहा कि बुजुर्ग पहले ही महंगाई, इलाज और रोजमर्रा की जरूरतों से जूझ रहा है। भाजपा सरकार का आमजन, गरीब, मजदूर और बुजुर्गों के हितों से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस जनता के मुद्दों को लेकर सड़कों से सदन तक संघर्ष करेगी और भाजपा सरकार को उसके झूठे वादों का जवाब देना होगा।

हार के सही कारण तलाशने की बजाय, ईवीएम और चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे कांग्रेसी : कटारिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगातार जनप्रिय फैसले लेने के कारण देश में हुए ज्यादातर चुनावों में कांग्रेस की लगातार हुई हार से कांग्रेसी नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। वे हार के सही कारण तलाशने की बजाय कभी ईवीएम तो कभी चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 वर्षों के शासन में जनता का विश्वास हासिल किया है जिस कारण भाजपा को लगातार जीत मिल रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर पर कांग्रेस तथ्यहीन, भ्रामक आरोप लगाकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस पार्टी के इन कुप्रयास को जनता कामयाब नहीं होने देगी। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है। मृत, डुप्लीकेट या फर्जी नाम हटाने की यह प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा पारदर्शी रूप से की जा रही है। एसआईआर पर सवाल उठाकर विपक्ष दुनिया में भारत के लोकतंत्र की छवि खराब कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ईवीएम को दोष देते थे, जब इस मुद्दे की हवा निकल गई तो वे वोट चोरी का एजेंडा लेकर आ गए।

राजकुमार कटारिया, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा

मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण जरूरी

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान 1952, 1957 और 1961 में जब एसआईआर हुआ उस समय कांग्रेस पार्टी नेता जवाहरलाल नेहरू ही प्रधानमंत्री थे। इसी प्रकार 1965-66, 1983 और 1984, 1987 और 1989, 1992, 1993 और 1995 में भी एसआईआर हुआ तब भी कांग्रेस की सरकार थी। उसके बाद 2002 और 2003 में भी एसआईआर हुआ जो 2004 में पूरा हुआ। 2004 के बाद अब सीधा 2025 में विशेष गहन पुनरीक्षण हो रहा है और इस पर कांग्रेस के नेताओं में घुसपैठियों को बचाने के लिए हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण जरूरी है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना में वीरवार को संस्कृत भाषा में श्लोक लेखन, पोस्टर मेकिंग, कार्ड मेकिंग एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता परिणामों में कक्षा छठी से वंशिका, कनक, परी, सोमिन, ऋषिका, मानवी, कुंजन, निधि, आरजू, दीक्षा, हर्षित, पूर्व, हनी, केशव जून, लक्ष्य सोनी, तेजस, सुनिधि, वंशिका, गुंजन, जतिन व नीरज, सातवीं कक्षा से पलक, पायल, सीमांसी, दीमांशी, तनीषा, भूमिका, राधिका, भूमि, दीक्षा, ईशा, निधि व किंजल, आठवीं कक्षा से पावनी, वंशिका, तमन्ना, गीतिका, दिशा, ऋषिका, सोनम, नैंसी, जैस्मिन, वासुकी, तेजस्वी, इशिका, अद्विका, नव्या, नक्श, हिमांशु, पूर्व, समर, लक्ष्मी, दीपिका, दीपल, निशा, हिमांशी, प्रियांशी, रितिका, हर्ष, सृष्टि, अनन्या, छाया, मुस्कान ने उत्कृष्ट स्थान हासिल किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को निदेशक धर्मेंद्र जून द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्कृत अध्यापिका आशु एवं प्रियंका शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

क्लैट परीक्षा में आरपीएस के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट

- रितिका, गौरी, तनीषा, मोहित, हितेश कुमार, हर्षिता ने किया टेस्ट क्वालिफाई

झज्जर। आरपीएस स्कूल के विद्यार्थियों ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। टेस्ट क्वालिफाई करने वाले विद्यार्थियों में रितिका, गौरी, तनीषा, मोहित, हितेश कुमार, हर्षिता शामिल हैं। प्राचार्या अंजू यादव ने बताया कि इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव एवं आरपीएस स्कूल कोसली के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, सुमन यादव व निदेशक हंसराज यादव ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। क्लैट के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए शिक्षक।

सूचना

मैं राम भगत पुत्र श्री सूरत सिंह निवासी गांव डाबोदा कलां जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरा पुत्र ललित तथा उसकी पत्नी पूजा दोनों मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं उपरोक्त दोनों को अपनी चल- अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उपरोक्त दोनों के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन और व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें मेरी और मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी न होगी

कार्यालय नगर परिषद बहादुरगढ़। नोटिस आम जनता

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कृष्णा देवी पुत्र/पति/पत्नी श्री महेन्द्र सिंह निवासी फ्रैन्डस कॉलोनी, लाईनपार, बहादुरगढ़ द्वारा Online NDC Portal पर Property ID No. 3BPRUPR6 Ward No. 05/504 कॉलोनी फ्रैन्डस कॉलोनी जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ में नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 106.41 से 100 वर्ग गज करवाने हेतु Online Application No. 0187388775 द्वारा अप्लाई किया है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति नं. 3BPRUPR6 Ward No. 05/504 कॉलोनी फ्रैन्डस कॉलोनी पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त सम्पति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर-अन्दर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह सम्पति नं 3BPRUPR6/100 वर्ग गज प्रार्थी कृष्णा देवी पुत्र/पति/पत्नी श्री महेन्द्र सिंह के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जायेगी। जिसमे नगर परिषद बहादुरगढ़ कि कोई जिम्मेवारी नही होगी।

हस्ता/- कार्यकारी अधिकारी
नगर परिषद, बहादुरगढ़।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मेहंदीपुर, खंड-बहादुरगढ़, जिला-झज्जर में जलघर के बीच वाला एक तालाब को दिनांक 30-12-2025 को प्रातः समय 11 बजे औम के घर के सामने वाली चौपाल में मछली पालन हेतु पट्टे पर नीलाम किया जाएगा। जिसकी जमानत राशि मु. 60,000/- रुपए होगी, बाकि बोली की तमाम शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी। इच्छुक बोली दाता समय पर उपस्थित हों।

रेशमा देवी, सरपंच
ग्राम पंचायत मेहंदीपुर,
खंड बहादुरगढ़ (जिला झज्जर)
मो. 9711672775.

डीसी ने दुजाना पीएचसी व डीघल सीएचसी का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

- स्कूल विजिट के दौरान साइंस लैब, लाइब्रेरी, स्कूल भवन सहित सुविधाओं की जानकारी ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। निरीक्षण के दौरान आमजन से फीडबैक लेते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

वीरवार को क्षेत्र के गांव दुजाना स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने औचक निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पीएचसी का निरीक्षण करते हुए आमजन को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली, वहीं स्कूल विजिट के दौरान प्राचार्य से साइंस लैब, लाइब्रेरी, स्कूल भवन सहित सुविधाओं की विस्तार से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पीएचसी निरीक्षण के दौरान उन्होंने डॉक्टर बरखा वत्स से दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई, मरीजों के लिए मूलभूत सुविधाओं तथा स्टाफ की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण रूप से उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके उपरांत उन्होंने गांव डीघल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया।

आयोजन संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए

समाधान शिविर में डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं

शिविर में पानी, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा व अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

वीरवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने आमजन की समस्याएं सुनीं तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए निर्देश दिए। शिविर में पानी, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, सड़कों, परिवार पहचान पत्र, आवास तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि किसी एक ही शिकायत की पुनरावृत्ति होती है, तो संबंधित विभाग के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाबदेही तय की जाएगी।

28 को धीरूभाई अंबानी के 93वें जन्मदिवस पर होगा फाइनल मुकाबला

डीसी ने की धीरूभाई अंबानी क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत

पहले दिन हुए तीन मैचों में अमादलपुर बादली और बाढ़सा की टीम रही विजयी

एमईटी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-5 में आयोजित टूर्नामेंट में विभिन्न गांवों व कंपनियों की 27 टीमें ले रही भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। बल्लेबाजी कर टूर्नामेंट की शुरुआत करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

रिलायंस मॉडल इकोनोमिक टाउनशिप व रिलायंस फाउंडेशन द्वारा उद्योगपति धीरूभाई अंबानी के 93वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में दस दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया है। शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने स्वयं बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट की शुरुआत की।

रिलायंस की ओर से इंफ्रा प्रमुख राकेश सिन्हा तथा सीएसआर विभाग प्रमुख कर्नल रोमेल राज्याण ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। रिलायंस अधिकारी लोकेश कापसे ने क्रिकेट टूर्नामेंट की रूपरेखा तथा सीएसआर के अंतर्गत जिले में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एमईटी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-5 में आयोजित इस टूर्नामेंट में विभिन्न गांवों व कंपनियों की कुल 27 टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट के पहले दिन उद्घाटन अमादलपुर एवं खेडीजट्ट गांव की टीमों के बीच खेला गया। मुख्यातिथि ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय लिया तथा कप्तान सन्नी एवं अजयवीर के समक्ष टॉस करवाया।

निर्धारित 10 ओवरों में खेडीजट्ट की टीम ने 8 विकेट खोकर 45 रन बनाए। मैच में अमादलपुर टीम ने जीत दर्ज की। लक्ष्य का पीछा करते हुए अमादलपुर टीम की ओर से कप्तान सन्नी ने शानदार पारी खेली और मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता।

दूसरे मैच में संजू गुलिया को मिला मैन ऑफ द मैच

दूसरा मैच बादली एवं कलोई गांव की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें बादली टीम विजयी रही तथा संजू गुलिया को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। तीसरा मैच बाढ़सा एवं जहांगीरपुर गांव की टीमों के बीच हुआ, जिसमें बाढ़सा टीम विजेता रही जबकि मैन ऑफ द मैच का खिताब संजू को मिला। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आगामी 28 दिसंबर को धीरूभाई अंबानी के 93वें जन्मदिवस पर खेला जाएगा। मैच के दौरान अंपायर की भूमिका में मनीष एवं नकुल, स्कोरर के रूप में राजकुमार पंघाल, संजय गुलाटी एवं अक्षय धनखड़ ने सेवाएं दीं। इस मौके पर रिलायंस की ओर से सोमबीर सुखाला, मनीष राघव, नीलम सिंह, शिवकुमार सिंह, प्रेम शेखावत, निशांत, अशोक चांगल, रणधीर मलिक, हनी मलिक, मधु, गोविंद, चंचल सहित भी उपस्थित रहे।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित शूटिंग चैंपियनशिप के होनहार खिलाड़ी।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में एमआर के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट

झज्जर। हाल ही में मध्यप्रदेश के भोपाल में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय 10 मीटर शूटिंग चैंपियनशिप में एमआर स्कूल हसनपुर के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर अंतर राष्ट्रीय ट्रायल के लिए क्वालिफाई किया है। प्राचार्या नेहा शर्मा ने बताया कि 10 मीटर शूटिंग स्पर्धा में बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उनके संस्थान के छात्र लोकेश, रौनक, प्रियांशु एवं देव ने क्वालिफाई किया, जबकि गौरव, भूमित एवं लक्ष्य यादव ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर अंतर राष्ट्रीय ट्रायल में अपना स्थान सुनिश्चित कर प्रदेश एवं विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर निदेशक सोमबीर कोडान व संगीता कोडान ने प्रशिक्षकों व अभिभावकों को बधाई देते हुए विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बहादुरगढ़। पूनम को सम्मानित करते खेल संघ पदाधिकारी व स्कूल स्टॉफ।

झज्जर। कार्तिक को सम्मानित करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

दो स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी कार्तिक को किया गया सम्मानित

झज्जर। हरियाणा ओपन चैंपियनशिप में एसकेजी स्कूल के छात्र कार्तिक ने दो स्वर्ण पदक जीत कर स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल संचालक श्याम सिंह ने बताया कि सोनीपत में आयोजित हरियाणा ओपन किड्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनके विद्यालय के छात्र कार्तिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर व 60 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किए। इस उपलब्धि पर एसकेजी एजुकेशन सोसायटी भाकली के चेयरमैन राय सिंह ने विद्यालय की प्रार्थना सभा में कार्तिक को सम्मानित करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीनियर नेशनल में छाए सोनू अखाड़े के पहलवान

एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हिंद केसरी सोनू अखाड़े के पहलवानों ने सीनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। विजेता पहलवानों का अखाड़े में अभिनंदन किया गया।

यह प्रतियोगिता 12 से 14 दिसंबर तक गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित हुई। ग्रीको-रोमन कुश्ती के 60 किग्रा भार वर्ग में पहलवान साहिल ने स्वर्ण पदक हासिल किया। साहिल इससे पहले नेशनल गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। इसी वर्ग में सुमित दलाल ने कांस्य पदक प्राप्त किया, जबकि उमेश ने 63 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कपिल और दीपक ने पांचवां स्थान हासिल किया। पदक विजेताओं की उपलब्धि पर अखाड़े में मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई। अर्जुन अवार्डी पहलवान व कॉमनवेल्थ चैंपियन धर्मेंद्र दलाल ने बताया कि ये पहलवान बेहद होनहार हैं। लगातार जीत दर्ज कर इलाके का मान बढ़ा रहे हैं। अर्जुन अवार्डी कोच ओमबीर पहलवान, हिंद केसरी सोनू पहलवान, कोच सुधीर, सेठी, मुकेश, रिंकू, अनुराग, सरूप पहलवान, संजय रोहद, कृष्ण छारा, प्रभु छारा, पातर सिंह, वीरेंद्र, जितेंद्र, सत्येंद्र, संजय बामड़ोली, बिल्लू ठेकेदार, राजू सरपंच, पवन जाखौदा, रामकिशन पहलवान, जीता मांडोठी आदि ने विजेताओं का अभिनंदन किया।

बहादुरगढ़। कोच धर्मेंद्र दलाल के साथ विजेता पहलवान। फोटो : हरिभूमि

नूना माजरा में हुआ पूनम का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

पटना में हुई ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चक्का फेंक स्पर्धा में सिल्वर पदक प्राप्त करके झज्जर व हरियाणा का नाम रोशन करने वाली गांव हमायूंपुर की पूनम कुमारी का वीरवार को स्वागत किया गया।

पूनम के कोच जयप्रकाश जाखड़ ने बताया कि पूनम जाखड़ ने वर्ष 2000 में लडायन से अपने खेल की शुरुआत की थी।

राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पदक प्राप्त करने के साथ ही उसने पिछले साल भी ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज में कांस्य पदक प्राप्त किया था।

नूना माजरा स्कूल पहुंचने पर जिला एथलेटिक्स संघ के प्रधान जयप्रकाश जाखड़, भीम अवॉर्डी सचिव चरण सिंह राठी, मनोज काजला, संदीप सांगवान, संदीप दुहन आदि ने उन्हें सम्मानित किया। पूनम कुमारी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नूना माजरा में शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक पद पर कार्यरत है। पूनम की शादी भी लोवा माजरा में हुई है। इस अवसर पर उषा, सरिता सिंह, कमलेश, रेनू, श्वेता, नीलम व समुद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

दूसरी बार पारित हुआ सड़क के नामकरण का प्रस्ताव

बहादुरगढ़। शहर के नजफगढ़ रोड का नामकरण पूर्व विधायक स्व. नफे सिंह राठी से रखने का प्रस्ताव नगर परिषद की बैठक में दूसरी बार पारित किया गया। पहले 28 फरवरी को हुई नप की बैठक में नजफगढ़ रोड का नाम स्व. नफे सिंह राठी के नाम से रखने का प्रस्ताव पारित हुआ था। लेकिन बाद में सत्तापक्ष की ओर से इस पर एतराज उठे। ऐसे में बुधवार को हुई नगर परिषद में दोबारा से बोर्ड मैंबरों ने यह प्रस्ताव पास किया। बता दें कि स्व. नफे सिंह राठी दो बार बहादुरगढ़ नगर परिषद के अध्यक्ष व दो बार विधायक रहे थे। इसके अलावा भारतीय शैली कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी थे। इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष का दायित्व भी उन्होंने बखूबी निभाया। लेकिन 25 फरवरी 2024 को उनकी निर्मम हत्या कर दी गई थी। उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए 28 फरवरी 2025 को हुई नप की बैठक में बहादुरगढ़ के पुराने बस स्टैंड से वाया शिव चौक, बालौर मोड़ होते हुए झाड़ौदा बॉर्डर तक के मार्ग का नाम स्व. नफे सिंह राठी के नाम से रखने का प्रस्ताव पारित हुआ था। लेकिन अगले ही दिन नप उपाध्यक्ष पालेराम शर्मा ने इस दावे को खारिज करते हुए एतराज उठाया था। ऐसे में गत दिवस हुई बैठक में एक बार फिर पार्षदों ने यह मामला उठाया और बैठक में ही अधिकांश पार्षदों ने हस्ताक्षर करके यह प्रस्ताव पास करने पर दोबारा मुहर लगा दी।

स्व. नफे सिंह राठी

इनेलो ने भी बहादुरगढ़ को जिला नहीं बनाने पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

युवा इनेलो नेता भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने भाजपा सरकार पर बहादुरगढ़ की घोर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि जिला नहीं बनाया जाना बहादुरगढ़ के नागरिकों के सम्मान और अधिकारों पर सीधा प्रहार है। बहादुरगढ़वासियों का यह खुला अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

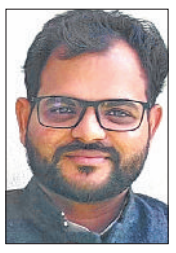

भूपेंद्र राठी

भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने कहा कि बहादुरगढ़ हर दृष्टि से जिला बनने की योग्यता रखता है। यह क्षेत्र न केवल औद्योगिक रूप से विकसित है, बल्कि जनसंख्या, राजस्व, व्यापार, शिक्षा और आधारभूत ढांचे के मामले में भी किसी मौजूदा जिले से कम नहीं है। इसके बावजूद भाजपा सरकार का बहादुरगढ़ को जिला घोषित न करना यह दर्शाता है कि सत्ता में बैठे लोग यहां के नागरिकों की समस्याओं और भावनाओं के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन हैं। यहां से सरकार को भारी राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन बदले में बहादुरगढ़ को उसका हक नहीं मिल पा रहा।

प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों को आज भी दूर-दराज के दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं जिससे समय, धन और श्रम तीनों की बर्बादी हो रही है। इनेलो नेता ने आरोप लगाया कि बहादुरगढ़ को जिला बनाने की मांग कोई नई नहीं है। वर्षों से यहां की जनता, सामाजिक संगठन और व्यापारी वर्ग लगातार यह मांग उठाते आ रहे हैं। चुनावों के दौरान सत्ताधारी दलों द्वारा इस मांग को पूरा करने के वादे किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आते ही इन वादों को भुला दिया जाता है। यह राजनीतिक छलावा अब बहादुरगढ़ की जनता और अधिक सहन नहीं करेगी।

आज खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा का शिकार प्रदेश : विक्रम कादियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

1400 खिलाड़ियों को पिछले सात महीनों से नहीं मिला खेल भत्ता

खेल और खिलाड़ियों की उर्वर भूमि हरियाणा आज खेलों की उपेक्षा का केंद्र बनता जा रहा है। प्रदेश के खेल स्टेडियमों की दयनीय स्थिति अब जानलेवा साबित हो रही है। हाल ही में स्टेडियमों में अभ्यास के दौरान दो युवा खिलाड़ियों की मौत ने सरकार की खेल नीति और बुनियादी ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं झज्जर जिले की 66 खेल नर्सरियों से जुड़े लगभग 1400 खिलाड़ियों को पिछले सात महीनों से खेल भत्ता नहीं मिला है। इससे हरियाणा सरकार की खेलों और खिलाड़ियों के प्रति बेरुखी पूरी तरह उजागर हो गई है। यह बात हरियाणा को खेल हब बनाने के सरकारी दावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम कादियान ने कहीं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 35सौ करोड़ रुपये के खेल बजट में से हरियाणा को मात्र 80 करोड़ रुपये आवंटित करना यहां के खिलाड़ियों के साथ भद्दा मजाक है। इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी से हरियाणा को दूर रखा जाना भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत की खेल राजधानी कहे जाने वाले हरियाणा को इस बड़े आयोजन से वंचित कर दिया गया, जबकि देश की कुल आबादी में केवल तीन प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला यह प्रदेश खेल पदकों में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है। विक्रम कादियान ने कहा कि हरियाणा का खेल ढांचा पूरी तरह चरमरा चुका है। स्टेडियम अब खिलाड़ियों को तराशने की जगह उनकी जान के लिए खतरा बन गए हैं। लाखन माजरा के हार्दिक राठी और बहादुरगढ़ के अमन की स्टेडियम में अभ्यास के दौरान हुई मौतें सरकार की लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण हैं।

कांग्रेस शासनकाल में जहां खिलाड़ियों का स्टेडियमों की ओर रुझान बढ़ा था, वहीं आज खिलाड़ी स्टेडियम जाने से कतराने लगे हैं। प्रदेश के खेल स्टेडियमों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने बताया कि माजरा दूबलधन का खेल स्टेडियम पिछले 11 वर्षों से जलभराव के कारण तालाब बना हुआ है, जबकि इसी मिट्टी से सत्यव्रत, सत्यवान और साक्षी मलिक जैसे ओलंपिक पहलवान निकले हैं। दर्शन कुमार, हितेश कुमार और पवन कुमार जैसे प्रो-कबड्डी खिलाड़ी भी इसी क्षेत्र की देन हैं। इस क्षेत्र की मिट्टी में खेलकर सैकड़ों सैन्य अधिकारी और हजारों सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं।

बेरी, दूबलधन छारा, मातन, सफीपुर बहराना, दुल्हेड़ा, धांधलान, छोछी, छुड़ानी सहित अनेक गांवों के खेल स्टेडियमों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि झज्जर जिला राष्ट्रीय स्तर पर देश का नेतृत्व करता रहा है। इस जिले ने देवी सिंह बिसाहन, मनु भाकर, अमन सहरावत, बजरंग पुनिया, कनिष्क चौहान, वीरेंद्र सहवाग, खुशीराम झामरी, सुनील डबास, जगरूप राठी, नेहा राठी और दीपक पूनिया जैसे महान खिलाड़ी देश को दिए हैं। उन्होंने हरियाणा को राष्ट्रमंडल खेलों का सह-मेजबान बनाने की पुरजोर मांग की और लोकसभा में खेलों तथा हरियाणा से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए सांसद दीपेंद्र हुड्डा का आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

बिजली निगम कार्यालय के गेट पर कर्मचारी कर रहे दो घंटे का धरना-प्रदर्शन

बिजली कर्मियों ने किया ऑनलाइन ट्रांसफर नीति का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में बिजली कर्मचारियों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। बहादुरगढ़ में बिजली निगम कार्यालय के गेट पर कर्मचारी प्रतिदिन दो घंटे का धरना-प्रदर्शन कर सरकार से इस नीति को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

कर्मचारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक सरकार ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को वापस लेने की घोषणा नहीं करती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। वीरवार को हुए धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता जितेंद्र ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी अमित शर्मा ने संभाली। धरने के दौरान विभिन्न सब यूनिटों के पदाधिकारियों ने अपने विचार रखते हुए ऑनलाइन ट्रांसफर नीति को कर्मचारियों के हितों के खिलाफ बताया। वक्ताओं ने कहा कि यह पॉलिसी कर्मचारियों पर थोपा गया एक तरह का काला कानून है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार को जमीनी हकीकत को समझते हुए इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। धरना प्रदर्शन में मनोज, राजीव, अनिल जेई, लाकेश, जगमोहन, प्रवीण, नरेश, नवीन, संजय, भूपेंद्र, प्रवीण सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

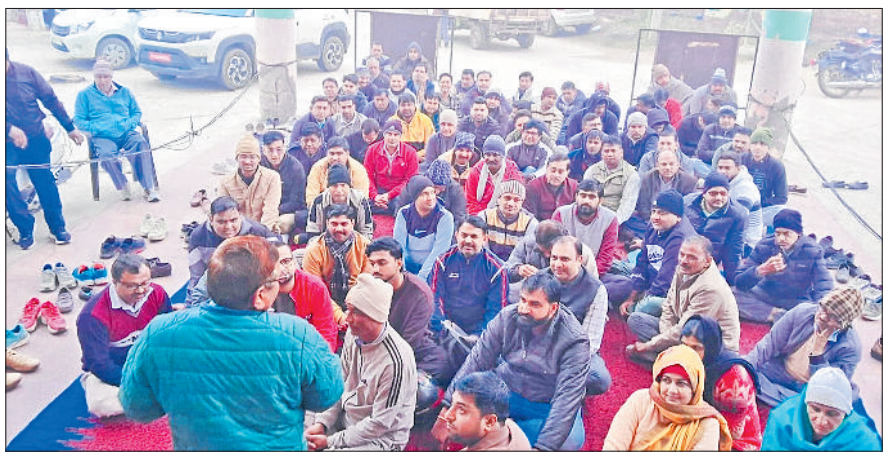

बहादुरगढ़। कार्यालय के गेट पर धरनारत कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

झज्जर में कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी

झज्जर। राज्य कार्यकारिणी के आह्वान पर एचएसईबी वर्कर्स यूनियन के कर्मचारियों द्वारा वीरवार को ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में दो घंटे का प्रदर्शन किया गया। यूनिट प्रधान लवकेश ने बताया कि प्रदर्शन की अध्यक्षता श्याम गौरव ने की जबकि मंच संचालन विकास द्वारा किया गया। प्रदर्शन में स्थानीय यूनिट के अलावा बादली व माछरौली के कर्मचारियों ने भाग लिया और सरकार विरोधी नारे लगाए। इस मौके पर संजीव, धर्मेंद्र, जयनारायण, तकदीर, प्रवीण, मंजीत, राजेंद्र, राकेश, विकास, अमित, अनीता, ज्योति, नमिता, जयप्रकाश, बलराम, मंजू, दीपक, प्रदीप, अनिल, शुभम, मंजू, विशाल, श्रवण, संदीप, अखिल, रणसिंह, कृष्ण, सतेंद्र, अमरजीत, रणबीर, देवेंद्र, दिनेश, सुंदर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी नारे लगाते हुए कर्मचारी।